



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 25-2025] CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 24, 2025 (ASADHA 3, 1947 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग

अधिसूचना

दिनांक 17 जून, 2025

संख्या 53/11/2025-4डी-III.— हरियाणा राज्य के संघीय सशस्त्र बलों के शहीद (अग्निवीर) कार्मिकों के परिवार के सदस्यों/निकायों को अनुग्रह अनुदान के संबंध में, जो परिचालन क्षेत्रों/युद्ध आतंकवादी या उग्रवादी हमले/सीमा झड़पों और संयुक्त राष्ट्र शांति सेना आदि में सेवा करते समय अपने वास्तविक आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में सेवा के दौरान शहीद हो जाते हैं

2. अब शहीद सैनिकों (अग्निवीर) के परिवार के पात्र सदस्यों को अनुग्रह अनुदान की राशि निम्नलिखित नियमों और शर्तों पर स्वीकार्य होगी: —

(1) युद्ध में हताहतों के मामलों के लिए अनुग्रह अनुदान की राशि:

निर्देशों के प्रकाशन पर या उसके बाद अनुग्रह अनुदान की संशोधित राशि निम्नानुसार होगी:—

क्रम संख्या	घटनाएँ	राशि
(क)	युद्ध हताहत	रु. 1.00 करोड़

(2) **परिभाषाएं:** इस नीति में प्रयुक्त शब्दों को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:—

(क) 'हरियाणा राज्य से संबंधित' का तात्पर्य संघीय सशस्त्र बलों (अग्निवीर) के ऐसे सदस्यों से है जो रक्षा बलों में सेवा में शामिल होने/प्रवेश के समय हरियाणा राज्य के निवासी हैं, चाहे उनका वर्तमान आवासीय पता कुछ भी हो।

नोट: यदि किसी व्यक्ति का पता सेवा में शामिल होने के समय अस्थायी था, तो स्थानांतरणीय केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की तैनाती के स्थान के कारण, निवास की स्थिति उसके सेवा में शामिल होने के समय के उसके पिता के स्थायी घर के पते के आधार पर तय की जाएगी।

(ख) 'युद्ध हताहतों/परिचालन हताहतों' का अर्थ है 'संघीय सशस्त्र बलों (अग्निवीर) प्राधिकारियों द्वारा 'युद्ध हताहतों' के रूप में घोषित विभिन्न प्रकार की कार्यवाहियाँ, चाहे कोई भी ऑपरेशन या ऑपरेशन का कोई निर्दिष्ट क्षेत्र हो जिसमें संघीय सशस्त्र बलों (अग्निवीर) का कोई सदस्य परिचालन क्षेत्रों/युद्ध/आतंकवादी या उग्रवादी हमलों/सीमा झड़पों और संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में सेवा करते समय वास्तविक आधिकारिक कर्तव्यों के निष्पादन में मारा जाता है या सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाती है, एम.टी. दुर्घटना, दिल का दौरा, हवाई दुर्घटना, समुद्र में दुर्घटना, आंतरिक सुरक्षा संचालन के दौरान मृत्यु, चुनाव कर्तव्यों, प्राकृतिक आपदाओं और बचाव कार्यों आदि के दौरान जो कर्तव्यों के निष्पादन के प्रति असाधारण साहस और निर्णय की मांग करते हैं

- (ग) 'अनुग्रह अनुदान' से तात्पर्य संघीय सशस्त्र बलों (अग्निवीर) के शहीदों के परिवार के सदस्यों को स्वीकार्य एकमुश्त राशि है, जो युद्ध में हताहत होने या परिचालन हताहतों के सभी मामलों में शहीद हो गए हैं।
- (घ) **अनुग्रह अनुदान के प्रयोजन के लिए परिवार:** अनुग्रह अनुदान के प्रयोजन के लिए परिवार और पात्र परिवार के सदस्यों को स्वीकार्य हिस्सा निम्नानुसार होगा:—
- (i) पति/पत्नी को 35%, भले ही उसने पुनर्विवाह किया हो या नहीं।
 - (ii) बच्चों को 35% (सभी बच्चों में समान रूप से विभाजित किया जाएगा)।
 - (iii) माता-पिता को 30% (माता को 15%, पिता को 15%), भले ही वे मृतक पर आश्रित हों या नहीं।
 - (iv) अविवाहित शहीद के मामले में माता-पिता को 100% (माता को 50% और पिता को 50%)
 - (v) यदि मृतक कार्मिक के कोई संतान नहीं है तो 50% विधवा (पति/पत्नी) को तथा 50% (25% + 25%) माता-पिता को)
 - (vi) यदि माता और पिता दोनों जीवित नहीं हैं तो 50% विधवा को तथा 50% बच्चों को।
 - (vii) यदि पिता या माता में से कोई जीवित है तो अनुग्रह राशि का हिस्सा उसे, जैसा भी मामला हो, जारी किया जाएगा।
 - (viii) यदि विधवा (पति/पत्नी) जीवित नहीं है तो 50% माता-पिता को तथा 50% बच्चों को।
 - (ix) यदि विधवा (पति/पत्नी) जीवित नहीं है तथा उसकी कोई संतान नहीं है तो 100% माता-पिता को।
 - (x) यदि अविवाहित शहीद के माता-पिता जीवित नहीं हैं तो अनुग्रह अनुदान का भुगतान आश्रित अविवाहित भाई/बहनों को किया जाना चाहिए, बशर्ते वे मृतक कार्मिक के जीवनकाल में उसके साथ रह रहे हों तथा शहीद पर पूर्णतः आश्रित थे।

नोट 1.— कोई अन्य पारिवारिक सदस्य/रिश्तेदार अनुग्रह अनुदान के लिए पात्र नहीं होगा।

संघीय सशस्त्र बलों के कार्मिक का तात्पर्य हरियाणा राज्य से संबंधित सेना, नौसेना, वायु सेना या भारतीय तटरक्षक बल के सदस्यों (अग्निवीर) से है।

(3) अनुग्रह अनुदान की स्वीकृति के लिए सक्षम प्राधिकारी और उसकी प्रक्रिया:

- (क) अनुग्रह अनुदान स्वीकृत करने के लिए सक्षम प्राधिकारी प्रशासनिक सचिव, सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग है और ऐसे मामलों को स्वीकृत करने की शक्तियां उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय को सौंपी गई हैं और इसका भुगतान संबंधित उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा लाभार्थियों के आधार लिंकड बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से किया जाएगा।
- (ख) केन्द्रीय सशस्त्र बलों के पात्र पारिवारिक सदस्य(यों) को अनुग्रह अनुदान स्वीकृत करने के लिए, जैसा भी मामला हो, इस नीति के अनुलग्नक ए और बी में उपलब्ध फॉर्म-1 या फॉर्म-2 में संबंधित जिला सैनिक और अर्ध सैनिक कल्याण अधिकारी को आवेदन प्रस्तुत करना होगा।
- (ग) शहीद (अग्निवीर) के परिवार के सदस्यों से आवेदन प्राप्त होने पर, संबंधित जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा इसका सत्यापन एवं जांच की जाएगी तथा मामला उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय को प्रस्तुत किया जाएगा। तत्पश्चात मूल स्वीकृति, ऑनलाइन बजट जारी करने के लिए अनुमोदन हेतु निदेशक/महानिदेशक, सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग, हरियाणा को चेक लिस्ट (अनुलग्नक-बी के अनुसार) के अनुसार सभी दस्तावेजों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियों के साथ उनकी टिप्पणियों सहित भेजी जाएगी।
- (घ) निदेशक/महानिदेशक, सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग, हरियाणा के कार्यालय में मामला प्राप्त होने पर इसकी जांच की जाएगी तथा अनुमोदन के लिए प्रशासनिक सचिव को प्रस्तुत किया जाएगा तथा स्वीकृत होने पर शहीद (अग्निवीर) के परिवार के सदस्यों को अनुग्रह अनुदान के भुगतान के लिए जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण अधिकारी को ऑनलाइन बजट जारी किया जाएगा तथा इसकी प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों/प्राधिकारियों/लाभार्थियों आदि को भेजी जाएगी।
- (ङ) संपूर्ण अभिलेख (शहादत से संबंधित दस्तावेज) तथा अनुग्रह अनुदान राशि का भुगतान जिला सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण कार्यालय के संबंधित कार्यालय में सुरक्षित रखा जाएगा। वे इन दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी भी सुरक्षा एवं अभिलेख के लिए अपलोड करेंगे।

(5) व्यय का वर्गीकरण:

(क) संघीय सशस्त्र बलों के शहीदों (अग्निवीर) के परिवार के सदस्यों को अनुग्रह अनुदान के लिए व्यय मुख्य शीर्ष "2235—सामाजिक सुरक्षा और कल्याण (गैर-योजना) —60—अन्य सामाजिक सुरक्षा और कल्याण कार्यक्रम—200—अन्य कार्यक्रम (95)— 34—अन्य प्रभार (पी-01—16—2235—60—200—95—51—आर—वी—कश्मीर अभियान आदि में वीरता के कार्यों के लिए सैनिकों और वायुसैनिकों को पुरस्कार) के अंतर्गत पूरा किया जाएगा। मांग संख्या 16

(6) कठिनाइयों को शिथिल करने या दूर करने की शक्ति:—

यदि इस नीति के आवेदन, व्याख्या और दायरे से संबंधित कोई संदेह उत्पन्न होता है, तो इसे हरियाणा सरकार के सैनिक और अर्धसैनिक कल्याण विभाग (रक्षा—III शाखा), पंचकूला को भेजा जाएगा। हरियाणा सरकार के सैनिक और अर्धसैनिक कल्याण विभाग के प्रशासनिक सचिव के पास व्याख्या, परिवर्तन, संशोधन, शिथिलता और संदेह (संदेहों) को दूर करना, तथा उसका निर्णय अंतिम होगा

विजयेंद्र कुमार,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
SAINIK & ARDH SAINIK WELFARE DEPARTMENT

Notification

The 17th June, 2025

No. 53/11/2025-4D-III.— Regarding Ex-gratia grant to the family members/NoKs of Martyrs (Agniveer) of Union Armed Forces personnel belonging to Haryana State, who die in harness in the performance of their bonafide official duties while serving in Operational Areas/ in War/ Terrorist or Militant Attack / Border Skirmishes and United Nation Peace Keeping Force etc.

2. The amount of Ex-gratia grant shall be admissible to the eligible family members of Martyrs (Agniveer) on the following terms and conditions:-

(1) **Amount of Ex-gratia grant for cases of battle casualty:**

The amount of Ex-gratia grant on or after publication of instructions shall be as under:-

Sr. No.	Event	Amount
(a)	Battle Casualty	Rs. 1.00 Crore

(2) **Definitions:** The terms used in this policy have been defined as under:-

(a) **‘Belonging to Haryana State’** means such members (Agniveer) of Union Armed Forces who are domicile of Haryana State at the time of joining/entry into the service in Defence Forces irrespective of their present residential address.

Note : In case individual's address at the time of joining service was a temporary one, due to the place of posting of transferable Central Government employees, the domicile status would be decided on the basis of his father's permanent home address at the time of his joining service.

(b) **‘Battle Casualties/Operational Casualties’** means various kinds of actions declared as ‘Battle Casualty’ by the Union Armed Forces Authorities irrespective of any operation or any specified area of operation in which a member (Agniveer) of Union Armed Forces is killed or death in harness in the performance of bonafide official duties while serving in operational areas/ in war/terrorist or Militant attacks/ border skirmishes and in United Nation Peace Keeping Force, M.T. accident, heart attack, air crash, accident at sea, death during internal security Operations, Election duties, natural calamities and Rescue Operations etc. which demand exceptional courage and decisions towards performance of duties.

- (c) **‘Ex-gratia Grant’** means the lump sum amount admissible to the family members of Martyr (Agniveer) of Union Armed Forces belonging to Haryana State who is killed, in all cases of battle casualty.
- (d) **‘Family for the purpose of Ex-gratia grant’**: The ‘Family’ for the purpose of Ex-gratia grant and share admissible to the eligible family members shall be as under:-
 - (i) Spouse @ 35% irrespective of the fact that she/he has remarried or not.
 - (ii) Children @ 35% (To be equally apportioned among all the children).
 - (iii) Parents @ 30% (Mother @ 15%, Father @ 15%) irrespective of the fact that they are/were dependent on the deceased or not.
 - (iv) In case of unmarried martyr (Agniveer), Parents @ 100% (50% to Mother and 50% to Father).
 - (v) In case the deceased personnel did not have any children then 50% to Widow (Spouse) and 50% (25% + 25%) to Parents.
 - (vi) If both Mother and Father are not alive then 50% to Widow and 50% to Children.
 - (vii) If either Father or Mother is alive then the share of Ex-gratia amount is to be released to him/her as the case may be.
 - (viii) If widow (Spouse) is not alive then 50% to Parents and 50% to Children.
 - (ix) If widow (Spouse) is not alive and have no child then 100% to Parents.
 - (x) In case, parents of unmarried martyr (Agniveer) are not alive, the payment of Ex-gratia grant should be made to the dependent unmarried brother (s) and unmarried sister(s) provided they were residing with the deceased personnel during his lifetime and was/were fully dependent on the martyr (Agniveer).

Note—No other family member/relatives shall be eligible for Ex-gratia grant.

- (e) **‘Personnel of Union Armed Forces’** means a members (Agniveer) of Army, Navy, Air Force or Indian Coast Guard belonging to State of Haryana.
- (3) **Competent Authority for sanction of Ex-gratia grant and procedure thereof:**
- (a) The competent authority to sanction of Ex-gratia grant is the Administrative Secretary, Sainik and Ardh Sainik Welfare Department and powers to approve such cases have been delegated to the Deputy Commissioner-cum-President, District Sainik and Ardh Sainik Welfare Office and payment of which shall be made by the concerned Deputy Commissioner-cum-President, District Sainik and Ardh Sainik Welfare Office through RTGS in Aadhar linked bank accounts of the beneficiaries.
 - (b) For sanction of Ex-gratia grant to the eligible family member(s)/NoKs of martyr (Agniveer) from Union Armed Forces, he/she shall submit an application in the **Form-1** available at **Annexure A** of this policy, to the concerned District Sainik and Ardh Sainik Welfare Officer.
 - (c) On receipt of application from the family members of martyr (Agniveer), it will be verified and scrutinized by the concerned District Sainik and Ardh Sainik Welfare Officer and case will be submitted to the Deputy Commissioner-cum-President, District Sainik and Ardh Sainik Welfare Office. Thereafter the sanction in original will be sent to the Director/Director General, Sainik and Ardh Sainik Welfare Department, Haryana along with certified true copy of all the documents as per Check list (as at **Annexure B**) along with their comments for approval for release of online budget.
 - (d) On receipt of matter in the office of the Director/Director General, Sainik and Ardh Sainik Welfare Department, Haryana, it will be examined and submitted to the Administrative Secretary for approval and online budget will be released to the District Sainik and Ardh Sainik Welfare Officer for payment of Ex-gratia grant to the family members of martyr (Agniveer), if approved and copy will be sent to the concerned officers/authorities/beneficiaries etc.
 - (e) The entire record (documents related to martyrdom) and payment of Ex-gratia grant amount will be kept in safe in the concerned office of District Sainik and Ardh Sainik Welfare Office. They will also upload the soft copy of these documents for safety and record.

(4) **Classification of expenditure:**

The expenditure for Ex-gratia grant to the family member(s) of Martyr (Agniveer) of Union Armed Forces will be met under the Major Head "2235-Social Security and Welfare (Non-plan)-60-Other Social Security and Welfare Programmes-200-Other Programmes (95) - 34-Other Charges (P-01-16-2235-60-200-95-51-R-V-Rewards to Soldiers and Airmen for acts of gallantry in the Kashmir Campaign etc). Demand No. 16.

(5) **Power of relax or remove the difficulties:-**

If any doubt (s) arises relating to the application, interpretations and scope of this Policy, it shall be referred to the Government of Haryana in Sainik & Ardh Sainik Welfare Department (Defence-III Branch), Panchkula. The Administrative Secretary to Govt. of Haryana, Sainik & Ardh Sainik Welfare Department will have the power to interpret, change, amend, relaxation and removal of doubt (s), and whose decision shall be final.

VIJAYENDRA KUMAR,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Sainik and Ardh Sainik Welfare Department.

Annexure-A

Form-1

{(See Para 3(3)(b))}

Application for Ex-gratia Grant to the family members of killed Personnel (Agniveer) of Union Armed Forces or Central Armed Police Forces)

1.	No., Rank and Name of Martyr (Agniveer)	
2.	Name of father of Martyr (Agniveer)	
3.	Date of Birth of Martyr (Agniveer)	
4.	Date of enrolment	
5.	Date of Martyrdom	
6.	Type of casualty (Battle/Physical)	
7.	Battle/Physical casualty Certificate No. and date.	
8.	Govt. of Haryana policy/instructions under the purview case is covered	
9.	Eligible for amount of Rs.	
10.	Unit/Formation	
11.	Regiment/Services	
12.	Place of casualty with name of operation (War Time/Peace Time)	
13.	Parivar Pehchan Patra No. With date	
14.	Aadhar No.	
15.	Ration Card No. and date of issue	
16.	PAN No.	
17.	Haryana Resident Certificate No. and date.	
18.	Details of family members/NoKs:-	
	(a) Name Spouse of Martyr (Agniveer)	
	(i) Date of birth	
	(ii) Aadhar No.	
	(iii) PAN No.	
	(iv) Haryana Resident Certificate No. and date.	
	(v) Name of Bank	
	(vi) Bank IFSC No.	
	(vii) Bank MICR Code	
	(viii) Bank account No.	
	(b) Name of Father (If alive)	
	(i) Date of birth	
	(ii) Aadhar No.	
	(iii) PAN No.	
	(iv) Haryana Resident Certificate No. and date.	
	(v) Name of Bank	
	(vi) Bank IFSC No.	
	(vii) Bank MICR Code	
	(viii) Bank account No.	
	(c) Name of Mother (If alive)	
	(i) Date of birth	
	(ii) Aadhar No.	

	(iii) PAN No.	
	(iv) Haryana Resident Certificate No. and date.	
	(v) Name of Bank	
	(vi) Bank IFSC No.	
	(vii) Bank MICR Code	
	(viii) Bank account No.	
	(d) Name of Child (1)	
	(i) Date of birth	
	(ii) Aadhar No.	
	(iii) PAN No.	
	(iv) Haryana Resident Certificate No. and date.	
	(v) Name of Bank	
	(vi) Bank IFSC No.	
	(vii) Bank MICR Code	
	(viii) Bank account No.	
	(e) Name of Child (2)	
	(i) Date of birth	
	(ii) Aadhar No.	
	(iii) PAN No.	
	(iv) Haryana Resident Certificate No. and date.	
	(v) Name of Bank	
	(vi) Bank IFSC No.	
	(vii) Bank MICR Code	
	(viii) Bank account No.	
19.	Permanent address of Martyr (Agniveer) at the time of joining/commission into the service	
20.	Permanent address of Martyr (Agniveer) at the time of Martyrdom.	
21.	Present address of family members of Martyr (Agniveer) (beneficiary (ies))	
Note :- Photocopy of all documents should be certified by Welfare Officer with stamp.		

Place :

Date :

Signature _____

(Name of applicant)

FOR OFFICE USE

1.	Whether any grant of ex-gratia has earlier been sanctioned/paid by the SASWD/ DSAWO	
2.	Certified that above contents have been checked by me personally and verified as per records.	

Place :

Date :

Signature _____

(Name of Welfare Officer) _____

**RECOMMENDATIONS OF WELFARE OFFICER
RECOMMENDED/NOT RECOMMENDED**

Place :

Date :

Annexure-B

{(See Para 3(3)(c))}

CHECK LIST

Sr. No.	Contents	Details
1.	Application performa for sanction of grant of ex-gratia	
	(a) No., Rank and Name of Martyr/ Disabled personnel (Agniveer)	
	(b) Father's Name of Martyr/Disabled personnel (Agniveer).	
	(c) Name of Arms/Regiment/Battalion	
	(d) Date of joining/ commission into the service.	
	(e) Name of Beneficiary (ies)	
	If Ex-gratia Grant will be sanctioned to family members/NOK of Martyr (Agniveer) – Copy of details of family/dependents, issued by service HQ in case of Officers and Records in case of JCOs/OR:-	
	(i) Name Widow/Spouse (ii) Name of Father (In case of not alive, Copy of death certificate) (iii) Name of Mother (In case of death, Copy of death certificate) (iv) Name of Child/Children	
	(f) Date of Martyrdom with copy of proof duly attested by concerned Welfare Officer, DSASWD.	
	(g) Date of Marriage with Martyr (Agniveer) (In case of beneficiary is widow/spouse).	
	(h) (i) Home address of Martyr/Disabled personnel (Agniveer) at the time of joining/commission into the service with proof issued by service HQ in case of Officers and by Records in case of JCOs/OR.	
	(ii) Home address of Martyr/Disabled personnel (Agniveer) at the time of Martyrdom/Disability with proof issued by service HQ in case of Officers and by Records in case of JCOs/OR.	
	(iii) Present home address of Martyr/Disabled personnel (Agniveer) with proof issued by service HQ in case of Officers and by Records in case of JCOs/OR.	
	(j) Haryana Domicile/Haryana Residence Certificate No with date of issue. (Copy attached duly attested by concerned District Sainik & Ardh Sainik Welfare Officer).	
	(k) Parivar Pehchan Patra of awardee/Beneficiary (ies) (Copy attached duly attested by concerned District Sainik & Ardh Sainik Welfare Officer).	
	(l) Aadhar No. of awardee/Beneficiary (ies) (Copy attached duly attested by concerned District Sainik & Ardh Sainik Welfare Officer).	
	(m) PAN of of awardee/Beneficiary (ies) (Copy attached duly attested by concerned District Sainik & Ardh Sainik Welfare Officer).	
	(n) Type of casualty (Battle/Physical)	
	(o) Date of casualty	

	(p) Name of operation	
	(q) Theatre – War/Peace	
	(r) Policy/Instructions of the Govt. of Haryana on the subject (Copy attached)	
	(s) Eligible for amount of Rs.	
2.	Affidavit from disabled personnel or dependent/NOK of Martyr (Agniveer) (Details furnished by personnel/Beneficiary (ies))	
	(a) Personal details	Yes/No -
	(b) Home address (at the time of joining/ commission into the service, at the time of Martyrdom/ Disability and present)	Yes/No -
	(c) Date of applied for grant of ex-gratia with concerned District Sainik & Ardh Sainik Welfare Officer.	Yes/No -
	(d) Undertaking by Deponent neither he/she nor his/her family members had received any grant of ex-gratia from any other State Govt. or Haryana Rajya Sainik Board/Haryana Sainik & Ardh Sainik Welfare Department on account of the grant of ex-gratia .	Yes/No -
	(e) Haryana Govt. instructions No. under which awardee is eligible.	Yes/No -
	(f) Undertaking by Deponent that I will never be claim/ask for arrears for grant of ex-gratia in case of rates enhanced in future by the Govt. of Haryana.	Yes/No –
	(g) Undertaking by Deponent that If my statement is found false or incorrect I shall be liable for legal consequences arising there from.	Yes/No –

Place :
Date :

Signature _____
(Name of applicant)

FOR OFFICE USE

1.	Whether any cash award for above mentioned award has earlier been sanctioned/paid by the SASWD/DSA WO in Haryana?	
2.	It is to certify that all details given above have been checked by me personally and found correct. I will be liable to Disciplinary/ Administrative action, if any found incorrect at later stage and proposed for amount	Rs.

Place :
Date :

Signature _____
(Name of Welfare Organiser)

RECOMMENDATIONS OF WELFARE OFFICER

RECOMMENDED/NOT RECOMMENDED

Place :
Date :

Annexure-C

UNDERTAKING BY THE BENEFICIARY**(In case of grant of Ex-Gratia to Martyr)**

I, Smt./Sh. s/o d/o w/o h/o No. Rank
 Name (Martyr) R/o
 do hereby
 solemnly affirm and state/declare as under :-

1. That my husband/wife/father/mother/son/daughter was got Martyrdom on
 vide Battle Casualty Certificate No. dated
2. That address of My husband/wife/father/mother/son/daughter at the time of joining the service
 was

3. That address of My husband/wife/father/mother/son/daughter at the time of Martyrdom was

4. That My present address is

5. That any of my family members had received any grant of ex-gratia from any other State Govt.
 or Sainik & Ardh Sainik Welfare Department, Haryana/District Sainik and Ardh Sainik Welfare
 Office on for grant of ex-gratia.
6. That I am eligible for sanction for grant of ex-gratia for an amount of Rs..... and my case is
 covered under Govt. Haryana instructions/policy No. dated
7. That I will not claim enhanced rate of grant of ex-gratia from State Govt. in case of rate
 enhanced in later stage.
8. That in case of receipt of any excess amount granted to me on account of sanction for grant of
 ex-gratia, I will refund the excess amount as and when noticed at later stage and will deposit with
 District Treasury Officer and copy of Challan Receipt will be handed over/forwarded to my
 present Welfare Officer, District Sainik & Ardh Sainik Welfare Officer.....
9. That I have applied to District Sainik & Ardh Sainik Welfare Office, on
 for sanctioning of sanction for grant of ex-gratia.
10. That if my above statement is found false or incorrect, I shall be liable for legal consequences
 arising there from.

Place :

(Signature of claimant)

Date :

AUTHENTICATED BY